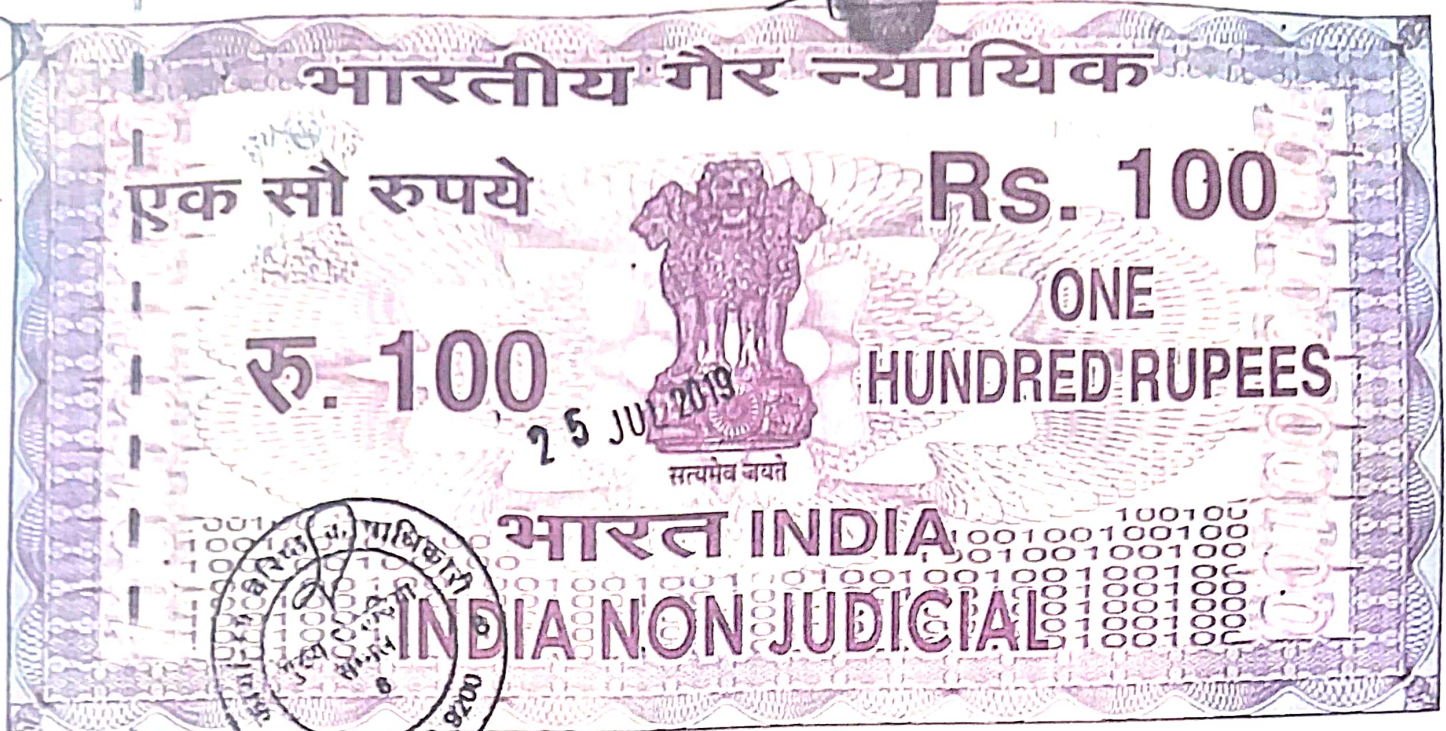


53 IV



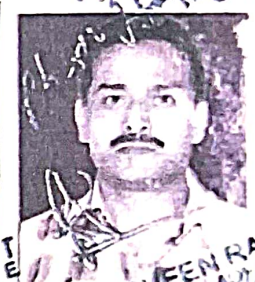
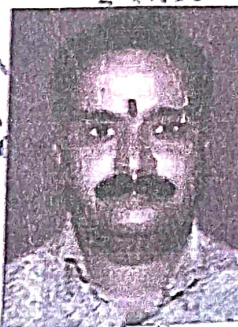
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

EW 437435

न्यास विलेख

गवाह की शिनाख्त पर फोटो प्रमाणितकर्ता प्रवीण रावत, एडो

स्टाम्प 800/-



PRABHAKAR
Ch No. 368
Reg. No. B-1, DCF Market
Court Compound Moradabad

Reg. No. B-1, DCF Market
Court Compound Moradabad

Reg. No. B-1, DCF Market
Court Compound Moradabad

PRABHAKAR
Ch No. 368
Reg. No. B-1, DCF Market
Court Compound Moradabad

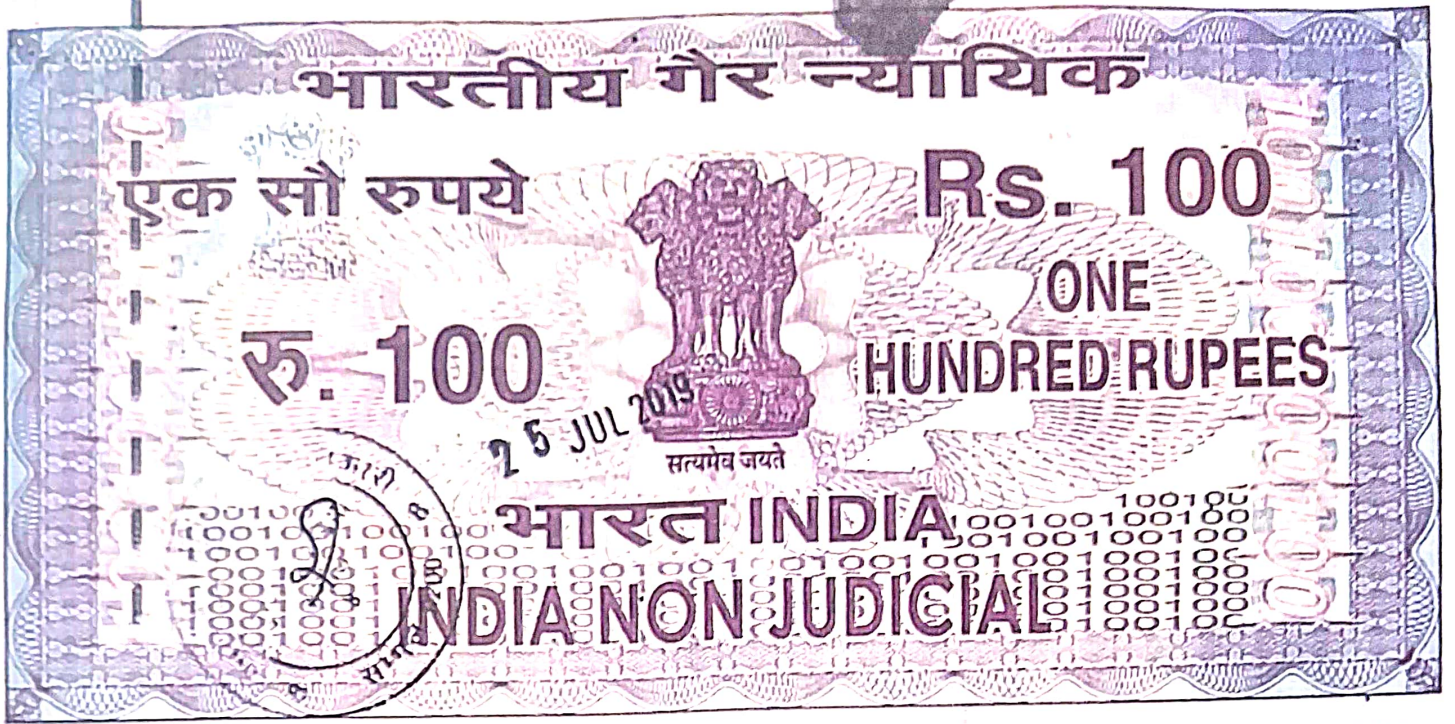
यह सार्वजनिक पारमर्थिक न्यास विलेख दिनांक 27.07.2019 को निम्न के बीच निष्पादित किया गया-

श्री रविन्द्र पाल सिंह पुत्र श्री हरपाल सिंह निवासी मिलक शाहपुर चमारान तहसील व जिला सम्भल उ०प्र०- 244301

(जिनके इसके पश्चात न्यास लेखक संबोधित किया गया है, (जब तक इस सन्दर्भ में अन्यथा अभिप्राय न हो, इने कार्यपालकों, प्रशासकों एवं प्रतिनिधियों को शामिल माना जाएगा)

Manager
Shagun Academy
Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

Principal
SHAGUN ACADEMY
Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

EW 437442

न्यास के संचालन हेतु निम्न न्यासियों की नियुक्ति की जाती है।

1. श्री रविन्द्र पाल सिंह पुत्र श्री हरपाल सिंह निवासी मिलक शाहपुर चमारान तहसील व जिला सम्भल उ०प्र०- 244301
2. श्रीमति वीना देवी पत्नी श्री रविन्द्र पाल निवासनी मिलक शाहपुर चमारान तहसील व जिला सम्भल उ०प्र०- 244301
3. श्री बजेश कुमार पुत्र श्री हरपाल सिंह निवासी मिलक शाहपुर चमारान तहसील व जिला सम्भल उ०प्र०-244301
4. श्रीमति राखी राघव पत्नी श्री बजेश कुमार निवासनी मिलक शाहपुर चमारान तहसील व जिला सम्भल उ०प्र०-244301
5. श्री मुकेश कुमार पुत्र श्री घण्टू सिंह निवासी मिलक शाहपुर चमारान तहसील व जिला सम्भल उ०प्र०- 244301

जिन्हें इसके पश्चात् संयुक्त रूप से न्यासी/न्यासियों संबोधित किया गया है। (जब तक इस सन्दर्भ में अन्यथा अभिप्राय न हो, वर्तमान में कार्यरत न्यासी या न्यासियों को तथा इनके बाद पश्चात्वर्ती पद धारण करने वालों को शामिल माना जायेगा।)

10/5/19
Deemer
25/5/19
राखी राघव
मुकेश कुमार

Manager
Shagun Academy
Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

Principal
SHAGUN ACADEMY
Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)



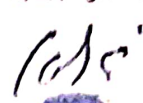
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

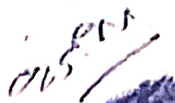
EW 437443

जबकि न्यास लेखक उक्त न्यासियों के साथ सार्वजनिक पारमार्थिक उद्देश्यों के लिये एक न्यास स्थापित करने की इच्छा रखते है और जबकि न्यासियों ने न्यास लेखक के निवेदन पर इस विलेख के अधीन पक्षकार बनकर न्यासी के रूप में कार्य करने की सहमति दी है और इस विलेख को क्रियान्वित कर रहे है। और जबकि इस विलेख के अधीन गाँठें किये जाने वाले सार्वजनिक पारमार्थिक न्यास के उद्देश्यों और शर्तों की घोषणा करना आवश्यक है।

यह विलेख निम्न प्रकार साक्षी देता है कि -

अपनी उक्त इच्छा की पूर्ति के लिये न्यास लेखक ने न्यासियों को रु 10,000/- (रुपये दस हजार मात्र) की राशि प्रदान की है। (जिसे इसके पश्चात न्यास निधि सम्बोधित किया जायेगा जिसमें नकदी अथवा अन्य सम्पत्ति अथवा सभी प्रकार के निवेश/विनियोग शामिल माने जायेंगे। जिनमे उक्त नकदी या उसके किसी भाग को समय समय पर रूपान्तरित किया जाता है, निवेश किया जाता है या बंदल दिया जाता है अथवा न्यासियों द्वारा प्राप्त किया जाता है अथवा इस विलेख के माध्यम से या इस विलेख के सम्बन्ध में किसी कानून के लागू होने के कारण या अन्यथा उनके हाथ में आता है को भी समाहित माना जायेगा।) तथा न्यासियों को उक्त राशि न्यास हेतु धारण करनी होगी एवं अपने कब्जे में रखनी होगी जो कि इसके पश्चात बतारी नयी शक्तियों, प्रावधानों, कटारनामों एवं घोषणाओं के अधीन होगी।




Manager
Shagun Academy
 Milak Sardar Shahpur Chamaran
 P.O. Rahtaul (Sambhal)


Principal
SHAGUN ACADEMY
 Milak Sardar Shahpur Chamaran
 P.O. Rahtaul (Sambhal)



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

EW 437444

1. न्यास का नाम - टी० एच० एस० मेमोरियल चैरिटेबिल ट्रस्ट।
2. पंजीकृत कार्यालय - मिलक शाहपुर चमारान तहसील व जिला सम्मल ठण्डा-244301

जिसे समय समय पर न्यासियों द्वारा 3/4 बहुमत से निर्णय लेकर अन्य स्थान या स्थानों में स्थापित किया जा सकेगा।

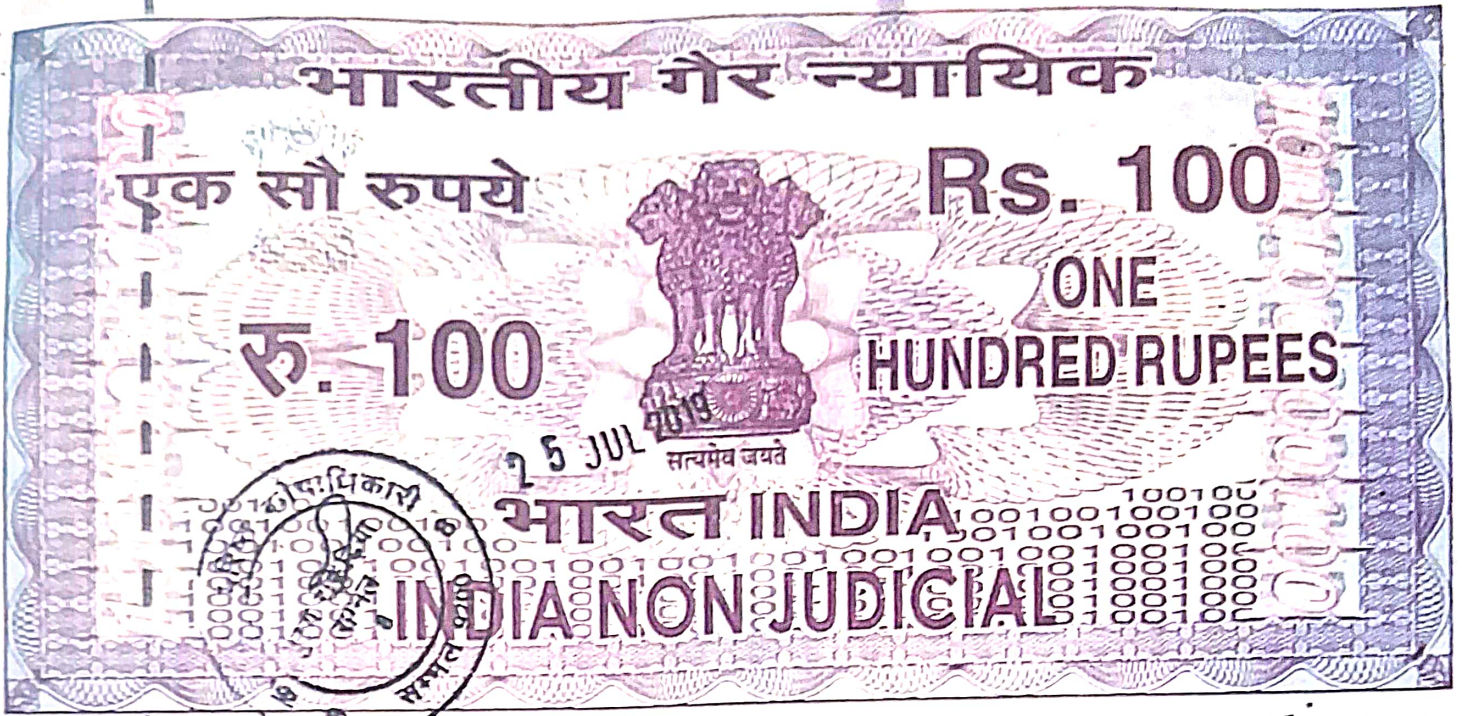
3. न्यास का कार्यक्षेत्र- सम्पूर्ण भारत वर्ष होगा।
4. न्यास पर लागू होने वाले अधिनियम- न्यास पर भारतीय न्यास अधिनियम 1882 एवं आयकर अधिनियम 1961 के प्रावधान लागू होंगे। किन्तु विधि द्वारा स्थापित किसी अन्य प्रावधान/अधिनियम जो कि न्यास पर लागू होते हो लागू होंगे।
5. न्यास के उद्देश्य - न्यास के निम्नलिखित उद्देश्य होंगे।
 - 1 क्षेत्र में शिक्षा की व्यवस्था हेतु प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च स्तर तक के विद्यालयों, महाविद्यालय, तकनीकी संस्थानों, प्रबन्धकीय संस्थानों, कृषि संस्थान आदि की स्थापना करना तथा उनका संचालन करना।
 - 2 समाज में सद्भाव बनाये रखने तथा राष्ट्र प्रेम की भावना को सदैव बढाने हेतु विचार गोष्ठियों, एवं सद्भावना सभाओं के द्वारा जन जन को जागरूक करना।
 - 3 बच्चों एवं युवाओं में देशभक्ति की भावना तथा देशहित में कार्य करने का संदेश फैलाने का कार्य करना।

Handwritten signatures and stamps of the Manager and Principal are visible. The Manager's signature is 'Vishal' and the Principal's signature is 'Rajesh'. There are several circular blue ink stamps, some of which are partially legible as 'SHAGUN ACADEMY' and 'MILAK SARDAR SHAHPUR CHAMARAN'.

Page 4 of 28

Manager
Shagun Academy
Milak Sardar Shahpur Chamaran

Principal
SHAGUN ACADEMY
Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

EW 437445

- 4 निम्न स्तर से लेकर उच्च स्तर के सी0बी0एस0ई0 एवं आई0सी0एस0ई0 शिक्षण संस्थानों की स्थापना करना एवं उनका संचालन करना।
- 5 पर्यावरण संरक्षण तथा वृक्षारोपण के प्रति समाज में जागरूकता लाना, अवैध कटान के प्रति समाज में जागरूकता लाना, विशेषकर बच्चों में वृक्षारोपण को बढ़ावा देना, समाज की ग्लोबल वार्मिंग के खतरों से सचेत करना, वृक्षारोपण हेतु पौधशालाओं की स्थापना करना।
- 6 प्रदेश में जगह - जगह पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक उत्थान पर उपलब्ध साहित्य के पुस्तकालय विकसित करना एवं प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करना।
- 7 समस्त कार्यक्षेत्र में ग्राम स्तर पर समिति गठित कर पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्थान सम्बन्धी जानकारी देना और लोगों के विचारों में जाति पांति धर्मवाद व क्षेत्रवाद को भुलाकर सामाजिक व मानवीय विचारों को पैदाकर एक सुदृढ समाज की स्थापना करना और एक नये विचारों की क्रांति का सूत्रपान करना।
- 8 सामान्य जन मानस को परिस्थितिकी का ज्ञान उपलब्ध कराना एवं उसकी उपयोगिता बताकर पर्यावरण संरक्षण करना और प्रकृति के संसाधनों का उचित दोहन करने के लिए लोगों को प्रेरित करना।
- 9 पर्यावरण एवं सामाजिक उत्थान के लिए स्कूल- विद्यालयों महाविद्यालयों में गोष्ठियां कर उचित पाठ्यक्रम उपलब्ध करना और यह पाठ्यक्रम विश्वस्तरीय होगा जो आधुनिकतम खोजों पर आधारित होगा।

(Signature)

Manager

Shagun Academy
 Milak Sardar Shahpur Chamaran
 P.O. Rahtaul (Sambhal)

(Signature)

(Signature)

(Signature)

 Page 5 of 26

(Signature)
Principal
SHAGUN ACADEMY
 Milak Sardar Shahpur Chamaran
 P.O. Rahtaul (Sambhal)



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

EW 437446

- 10 प्रत्येक लिंग एवं आयु वर्ग के सदस्यों की इस संस्थान में भागीदारी सुनिश्चित करना। एवं उनके स्वास्थ्य व प्रशिक्षण के लिए आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराना।
- 11 मानव जीवन को अच्छी स्वास्थ्य सुविधायें प्रदान करने के लिये हॉस्पिटल, क्लीनिक, स्वास्थ्य केन्द्रों, प्रशिक्षण केन्द्रों, रिसर्च सेन्टर्स इत्यादि की स्थापना करना तथा उनका संचालन करना।
- 12 पर्यावरण संदूषित व सामाजिक बुराईयां उत्पन्न करने वाले लोगों के प्रति सामाजिक चेतना जागृत करने का प्रयास करना।
- 13 प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक उत्थान को लेकर हो रहे कार्यों में सहयोग करना एवं राज्य स्तर पर हो रही सेमिनार व सभाओं में भाग लेना एवं अपनी परेशानियों से अवगत कराना एवं इसके उपाय ढूंढने का प्रयास करना।
- 14 वनों के विस्तार, उनके संरक्षण व वन्य जीव जन्तु के संरक्षण हेतु जनहित में समाज के लोगों में चेतना जगाने का प्रयास करना।
- 15 अनाथ बालक तथा बालिकाओं के लिये अनाथालय तथा बालिकाओं एवं बालकों के लिये धर्माथ चिकित्सालय विद्यालय चलाना जिसमें शिक्षा के साथ कृषि तथा खादी ग्रामोद्योग का प्रशिक्षण निःशुल्क दिया जा सके। इस प्रकार शिक्षा का जीवन उपयोगी बनाने के लिये कार्य चलाना।
- 16 ग्रामीण जनता को ग्राम स्वावलम्बन तथा आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित करना इसके लिये ऐसे भी प्रभावी कदम उठाना जिससे सरकार की नीतियों को सही भावना के साथ जनता तक पहुंचा सके।

(Signature)
(Signature)
(Signature)

Manager

Shagun Academy

Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

राष्ट्रीय राज्य

(Signature)
Principal
SHAGUN ACADEMY
Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

EW 437447

- 17 सामाजिक कुरूपतियों को दूर करने एवं समाज में व्याप्त दूषित मानसिकता को दूर करने हेतु हर स्तर पर कार्य करना।
- 18 समाज के आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक स्तर को ऊँचा उठाने के लिये प्रयत्न करना तथा ग्रामोद्योग को प्रोत्साहन देना व प्रशिक्षण देना, पुस्तकालय, वाचनालय, आंगनबाड़ी, बालबाड़ी, स्वास्थ्य प्रमोद गृह प्रसूति गृह नारी कल्याण केन्द्र, वृद्धाश्रम, विधवा आश्रम, निशुल्क उद्योग प्रशिक्षण केन्द्र, चिकित्सालय तथा सांस्कृतिक केन्द्र चलाना आदि।
- 19 बेरोजगारों एवं दुर्बल वर्गों के लिये रोजगार व्यवसाय रोजी विपणन सेवाओं की उपलब्धि व व्यवस्था का संचालन करने में सहयोग करना।
- 20 समाज के लोगों के जीवन स्तर को उठाने हेतु वे अवसर सृजन करना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सृढ़ बनाने के लिये कृषि पशुपालन उद्योग तथा सेवाओं के लिये विकास योजनाएँ बनाना तथा कार्यक्रम को चलाना।
- 21 पशुओं के कल्याण हेतु स्वास्थ्य सेवाएँ संचल चिकित्सालयों एवं पशुओं की देख भाल के लिये आश्रम गृहों का निर्माण कर संचालन करना एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करना।
- 22 महिलाओं एवं पुरुषों के स्वरोजगार हेतु सिलाई कढ़ाई बुनाई, दरी व कालीन बुनाई पैन्टिंग ब्यूटिशियन, व अन्य कुटीर उद्योग धंधों हेतु निशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करना तथा उन्हें रोजगार हेतु प्रोत्साहित करना।

Handwritten signatures and stamps are present below the list. The signatures include 'C/K', 'Vijendra', 'शरदी रावत', and 'शुभा शर्मा'. There are also several circular blue ink stamps.

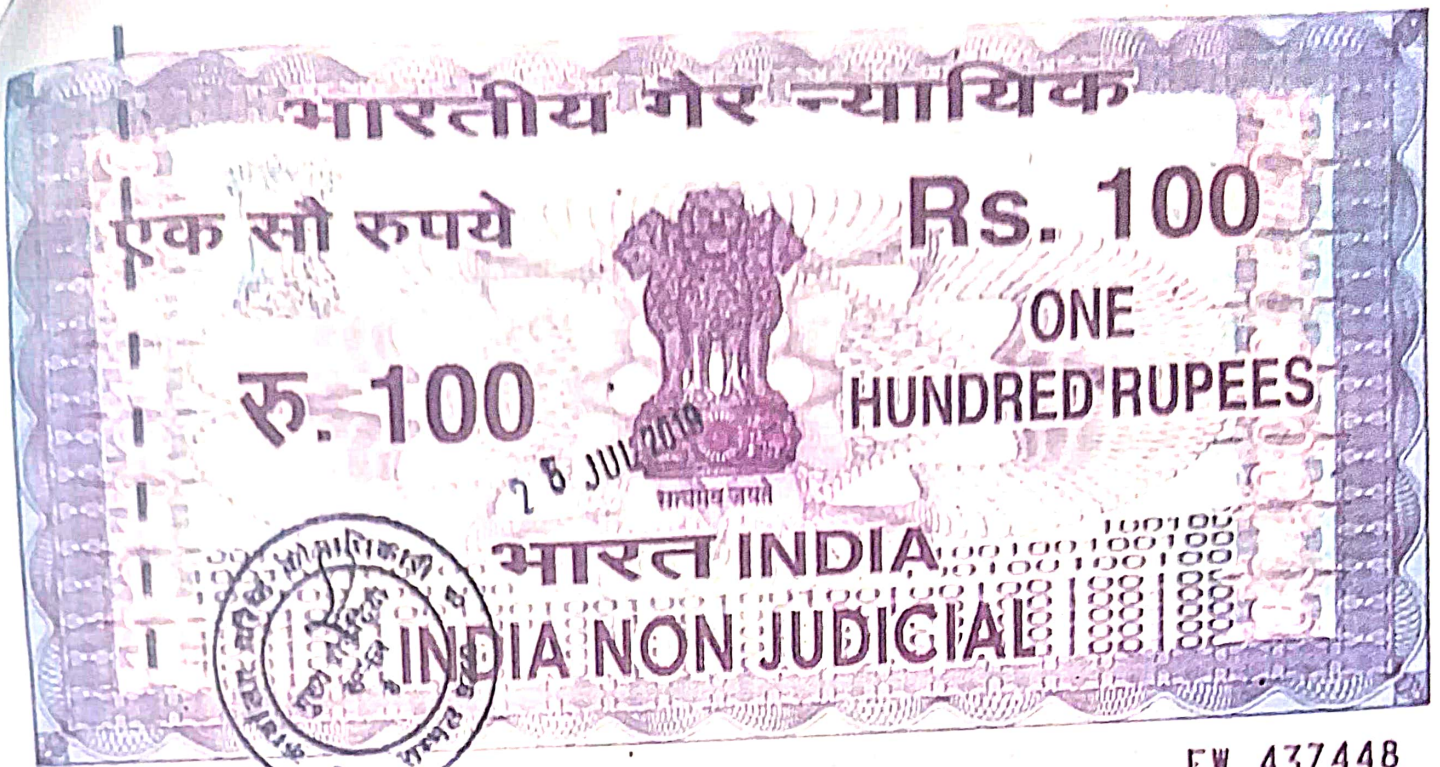
Page 7 of 28

Manager

Shagun Academy
Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

Principal

SHAGUN ACADEMY
Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)



उत्तर प्रदेश UTAR PRADESH

EW 437448

- 23 केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही सामाजिक योजनाओं जैसे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत, नमामि गंगे, डिजिटल इंडिया, मिशन पानी एवं कौशल विकास आदि योजनाओं का प्रचार प्रसार करना तथा इसमें अपना योगदान देना।
- 24 गरीब व जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सेवाओं प्रदान करने के लिये गोबाइल डिस्पेंसरी की उचित व्यवस्था करना।
- 25 मानसिक रूप से कमजोर, डिप्रेस्ड आदि से पीड़ित व्यक्तियों की काउन्सलिंग कर उनकी समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास करना तथा युवक व युवतियों को आत्महत्या जैसे घातक कदम न उठाने हेतु प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना।
- 25 क्षेत्र में स्वयं सहायता समूह के माध्यम से लोगों को जोड़ना तथा स्वरोजगार के लिये प्रोत्साहन देना।
- 26 श्रीकृष्ण की दृष्टि देवी गीमाता का जन-मानस के उद्धार के लिए एक भव्य गी मन्दिर का निर्माण करना जिसमें गीमाता जिनके अंग-2 में देवी-देवताओं का वास है जिनके बिना हिन्दू धर्म का हर शुभ कार्य अपूरा है जिनके गीगूत्र गोमय, पी, दूध, दही से जीवन रक्षा औषधियां प्राप्त होती है ऐसी परम पूज्य गीमाता का मन्दिर तथा गीशाला/गीशालाओं का निर्माण करा कर गीचंदा का प्रचार प्रसार करना।

UC' Deema

28/7/19

शुद्धी गजक

गुरुप्रसाद

Page 8 of 10

Manager

Shagun Academy

Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

Principal

SHAGUN ACADEMY

Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

- 27 महिला विकास कार्यक्रम एवं प्रौढ शिक्षा कार्यक्रमों की व्यवस्था करना।
- 28 निर्धन एवं असहाय छात्र छात्राओं आदि की शिक्षा एवं प्रशिक्षण दिलाने का प्रयत्न करके ग्रामोद्योगों की स्थापना के प्रयास करना ताकि वह स्वावलम्बन की ओर अग्रसर हो सके। गरीब एवं विधवा बेसहारा औरतों की बेटियों की शादी में हर सम्भव सहयोग करना।
- 29 कारीगरों के ग्रामोद्योग आदि की शिक्षा एवं प्रशिक्षण दिलाने का प्रयत्न करके ग्रामोद्योग की स्थापना के प्रयास करना ताकि वे स्वावलम्बन की ओर अग्रसर हो सके।
- 30 विद्यालय छात्रावास वाचनालय संचालन, वृद्धाश्रम, व्यायामशाला, धर्मार्थ चिकित्सालय तथा विकलांग शिविरों, प्रयोगशाला, आदि की स्थापना करना व संचालन करना।
- 31 कृषि वाणिज्य को बढ़ावा देना।
- 32 अनाथ विकलांग बच्चों एवं असहाय महिलाओं/पुरुषों हेतु निशुल्क आवासीय व्यवस्था प्रदान करना तथा उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा सरकारी व अर्द्धसरकारी संस्थाओं से बाढ़ पीड़ित व अन्य किसी आपदा से पीड़ित व्यक्तियों को सहायता प्राप्त कराना।
- 33 सामूहिक क्रियाकलाप एवं जनचेतना शिविरों का आयोजन करना।
- 34 बेरोजगार/शिक्षित बेरोजगार युवकों/युवतियों का लघुउद्योग की स्थापना हेतु प्रशिक्षण प्रदान करना।
- 35 समाज कल्याण विभाग उ०प्र० केन्द्रीय समाज कल्याण विभाग, बोर्ड, कपाट, सिपसा, अवाई, नवाई, सिडवी, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय यूनिसेफ इत्यादि के सहयोग से महिला एवं बाल विकास कार्यक्रमों एवं अन्य ग्रामीण विकास परियोजनाओं का प्रचार व प्रसार करना एवं संचालन करना।
- 36 कुष्ठ उन्मूलन परिवार कल्याण प्लस पोलियो एड्स कार्यक्रमों संचालन करना व प्रसार करना।
- 37 मद्य निषेध तथा नशीली दवाओं के दुरुपयोगों के बारे में जागरूकता पैदा करना तथा नशामुक्ति केन्द्रों की स्थापना करना।
- 38 समाज के उत्थान में तथा इस तकनीकी युग में कम्प्यूटर शिक्षण व प्रशिक्षण पर सभी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करना।
- 39 निःशक्त दिव्यांग व्यक्तियों का भिन्न भिन्न श्रेणियों के लिये शैक्षिक व्यावसायिक प्रशिक्षण संचालित करना।
- 40 पर्यावरण की सुरक्षा हेतु नगर गांव तथा कस्बा कर पार्क में वृक्षारोपण करना तथा उनकी सुरक्षा करना।
- 41 कुष्ठ उन्मूलन परिवार कल्याण प्लस पोलियो एड्स कार्यक्रमों संचालन करना व प्रसार करना।

(1/5) Deema ar Sin

राखी खटा

पुस्तक 3/10/12

Manager

Shagun Academy

Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

Principal

SHAGUN ACADEMY

Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

- 42 मध निषेध तथा नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करना।
- 43 टीचर्स एजुकेशन कोर्स की मान्यता के लिये एन0सी0टी0ई (नेशनल कौंसिल फॉर टीचर एजुकेशन) में आवेदन करना तथा मान्यता प्राप्त होने पर कोर्स को संचालित करना।
- 44 समान विचार धारा के ट्रस्टों, संगठनों, संस्थाओं तथा सरकारी गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर कार्य करना तथा उनके द्वारा इस सम्बन्ध में चलाये जा रहे कार्यों में सहयोग करना।
- 45 न्यास अलाभकारी (नॉट फॉर प्रोफिट) सिद्धान्त पर कार्य करेगा।

6. न्यास निधि-

- अ- न्यास निधि में प्रारंभिक निधि से होने वाली आय से तथा साथ ही साथ समय समय पर प्राप्त होने वाली दान राशि, अन्य अंशदान, चन्दे आदि से बढोत्तरी की जा सकती है।
- ब- न्यास निधि का प्रयोग न्यास के उद्देश्यों के अतिरिक्त कहीं और नहीं किया जा सकेगा।
- स- न्यासी हमेशा न्यास के आय व्यय के समुचित लेखे (हिसाब किताब) बनाकर न्यास के कार्यालय में रखेंगे।

7. निवेश- सभी धन जिसकी कोई तात्कालिक जरूरत न हो ऐसे धन को न्यासी बोर्ड की सहमति से बैंक, प्रतिभूति अथवा अन्य में निवेश करना। निवेश, आय, व्यय आदि केवल न्यास के नाम से ही किये जायेंगे।

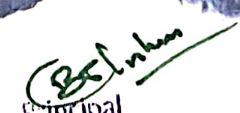
8. न्यास का प्रबंधन- न्यास का प्रबंधन न्यासी बोर्ड के द्वारा किया जायेगा -

1. न्यासी बोर्ड - न्यासी बोर्ड में न्यासियों की संख्या आवश्यकतानुसार घटायी व बढायी जा सकेगी किन्तु यह संख्या कभी भी 2 से कम नहीं रहेगी। यह संख्या न्यासी बोर्ड द्वारा समय-समय पर 3/4 न्यासियों के बहुमत से बढाई जा सकती है तथा न्यासी बोर्ड में अलग से संरक्षक मण्डल का गठन किया जायेगा जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधित्व व्यक्तियों को नियुक्त किया जायेगा किन्तु संरक्षक मण्डल को न्यासी बोर्ड में मताधिकार प्राप्त नहीं होगा।
2. न्यास की स्थापना के समय के न्यासियों को फाउन्डर न्यासी कहा जायेगा तथा फाउन्डर ट्रस्टियों के द्वारा न्यासी बोर्ड में और भी न्यासी शामिल किये जा सकते हैं।


Manager

Shagun Academy

Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)


Principal

SHAGUN ACADEMY
Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

3. निम्नलिखित व्यक्तियों को न्यास के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु निम्न पद दिये जाते हैं -

क्र०सं०	व्यक्तियों के नाम	पद
1.	श्री रविन्दर पाल सिंह	अध्यक्ष
2.	श्रीमति राखी राघव	उपाध्यक्ष
3.	श्री बजेश कुमार	सचिव
4.	श्रीमति वीणा देवी	कोषाध्यक्ष
5.	श्री मुकेश कुमार	सदस्य

9. न्यास के अध्यक्ष के अधिकार व कर्तव्य -

1. समस्त बैठकों की अध्यक्षता करना।
2. बैठकों के लिए दिनांक का अनुमोदन करना।
3. पारित बजट के अन्दर व्यय की स्वीकृति प्रदान करना।
4. न्यास में कर्मचारियों की नियुक्ति या निष्कासन का अधिकार न्यास के अध्यक्ष का होगा। अध्यक्ष का निर्णय अन्तिम होगा।
5. मौजूदा न्यास डीड में कोई परिवर्तन करने या कोई शर्त कम करने या नई शर्त बढ़ाने का पूरा अधिकार अध्यक्ष को होगा।
6. किसी भी कार्यवाही का संचालन करना।
7. संस्था के अभिलेखों पर हस्ताक्षर करना।
8. संस्था की चल अचल सम्पत्ति की सुरक्षा करना।
9. संस्था हेतु दान अनुदान प्राप्त करना।

10. न्यास के उपाध्यक्ष के अधिकार व कर्तव्य -

अध्यक्ष की अनुपस्थिति में अध्यक्ष के द्वारा सौंपे गये कार्य करना।

11. न्यास के सचिव के अधिकार व कर्तव्य -

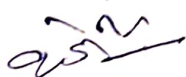
1. अध्यक्ष की अनुमति से न्यासी बोर्ड की बैठक का एजेन्डा जारी करना व बैठक का प्रबन्ध करना।
2. न्यास का पत्र व्यवहार/समस्त कागजात तैयार करना।
3. न्यास के समस्त हिसाब किताब की रिपोर्ट पेश करना।
4. न्यास व न्यास से सम्बन्धित संस्थाओं के बारे में आवश्यक कार्यवाही करना।

12. न्यास के कोषाध्यक्ष के अधिकार व कर्तव्य

1. न्यास के आय व्यय का लेखा जोखा रखना।
2. अध्यक्ष व सचिव के द्वारा हस्ताक्षरित बिलों का भुगतान करना।

13. न्यासी बोर्ड के अधिकार एवं कर्तव्य -

1. न्यासी प्रत्येक तीन महीने में न्यास की बैठकें आयोजित करेंगे। आवश्यकता होने पर न्यास की बैठक कभी भी एक दिन की सूचना पर बुलायी जा सकती है।



Manager

Shagun Academy

Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)



Principal

SHAGUN ACADEMY

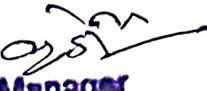
Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

गर्वी राखी

असिता झा

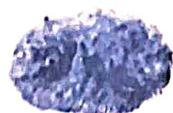
Page 11 of 18

2. न्यासियों को न्यास के कार्यों / गतिविधियों को संचालित करने हेतु न्यास द्वारा समय समय पर बनाये एवं स्वीकार किये गये नियम एवं नियमन आदि का पालन कठोरता से करना होगा।
3. किसी व्यक्ति/ किसी व्यक्तियों, व्यक्ति समूहों /निकाय या न्यास/समिति/संस्थानों से सशर्त या बिना शर्त कोई दान, अंशदान, अनुदान या चन्दा (जो नगद या वस्तु रूप में हो सकता है) स्वीकार करना।
4. न्यास की सम्पूर्ण आय या उसके किसी भाग को या न्यास निधि या उसके संचायन को न्यास के किसी एक या एक से अधिक उद्देश्यों हेतु, जैसा कि न्यासी अपने स्वविवेक से उचित समझे, प्रयोग करना।
5. किसी समय विशेष पर न्यास सम्पत्ति और /अथवा किसी निवेश को रूपान्तरित करना या उसमें लेन देन करना।
6. न्यास निधि को अचल सम्पत्ति अथवा शेयरों (अंश पत्रों), स्टॉक अथवा डिबेंचरों (ऋण पत्रों) अथवा किसी वित्तीय प्रतिभूति या निवेश करना या किसी कम्पनी/बैंक/फर्म या अन्य किसी व्यक्ति को ऋण देना या के पास जमा (निक्षेप) के रूप में रखना एवं न्यासियों द्वारा स्वविवेक से ऐसे निवेशों में परिवर्तन या बदलाव या स्थान्तरण करना, जो कि न्यास के अधिकतम हित में हो।
7. धन उधार लेना अथवा भुगतान को सुरक्षित करना तथा साथ ही पर्याप्त प्रतिभूति (जमानत) मिलने पर उधार देना।
8. न्यास निधि के रूप में समाहित किसी अचल सम्पत्ति को किराये या भाड़े पर उठाना, हस्तान्तरित करना।
9. न्यास एवं न्यासियों अथवा न्यास द्वारा संचालित संस्थानों के नाम में बैंक /बैंकों में खाता/खाते खोलना। ऐसे खाते/खातों का परिचालन करना एवं बैंकों को निर्देश देना तथा एक या एक से अधिक न्यासियों द्वारा अथवा न्यासियों द्वारा नियुक्त अधिकर्ता द्वारा ऐसे खाता/खाते को खोलने और परिचालित करने हेतु प्रावधान करना।
10. न्यास निधि से सम्बन्धित सभी वाद एवं दावों एवं मांगों एवं कार्यवाहियों का समायोजन एवं निपटान एवं सुलह अथवा पंचनिर्णय हेतु सौंपना।
11. न्यास यदि विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय/व्यवसायिक कोर्स आदि शिक्षण संस्थान की स्थापना करना चाहता है तो उसके लिये गठित प्रबन्धकार्यकारिणी समिति के फाउन्डर न्यासी शामिल होंगे जिनमें से एक अध्यक्ष/चेयरमैन होगा, संस्थान के समस्त अधिकार संस्थान के अध्यक्ष/चेयरमैन में निहित होंगे।
12. विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय/व्यवसायिक कोर्स आदि शिक्षण संस्थान के लिये किसी प्रचार्य /प्रोफेसर/निदेशक/कुलपति /उपकुलपति/कुलाधिपति की नियुक्ति का अधिकार केवल फाउन्डर न्यासियों को ही होगा।


Manager

Shagun Academy

Sardar Shahpur Chamaran
Rahtaul (Sambhal)



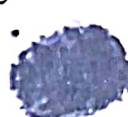

Page 12 of 18

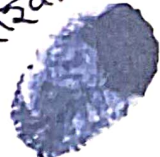
Principal

SHAGUN ACADEMY
Millak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

13. विधिक अधिकारियों/प्रतिनिधियों की नियुक्ति करना तथा इस विलेख के अधीन ऐसे वकीलों/प्रतिनिधियों को समय समय पर एक या एक से अधिक अधिकार प्रदान करना तथा ऐसे वकीलों या प्रतिनिधियों को हटाना तथा उनके स्थान पर अन्य की नियुक्ति करना।
14. न्यासियों द्वारा विनिर्दिष्ट नियमों एवं नियमनों तथा रीति के अधीन न्यास के प्रशासन के उद्देश्य से किसी व्यक्ति (इसमें सभी न्यासी एवं समितियों अथवा प्रशासक अथवा प्रबंध न्यासी या अन्यथा भी शामिल हैं) की नियुक्ति करना अथवा नियुक्ति के प्रावधान बनाना।
15. न्यासियों द्वारा विनिर्दिष्ट नियमों एवं नियमनों तथा रीति के अधीन इस न्यास विलेख के प्रावधानों की शर्तों के अनुरूप किसी कोष अथवा निवेश की धारण करने के लिये पृथक न्यासियों की नियुक्ति अथवा उनकी नियुक्ति का प्रावधान करना।
16. न्यास के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये योजनाओं, नियमों एवं नियमनों को बनाना उनमें समय समय पर परिवर्तन एवं संशोधन करना।
17. न्यास के कार्यों के प्रबंधन एवं/अथवा उसके उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये किसी संस्थान/संगठन का संचालन करने अथवा अन्यथा रूप में उसके उद्देश्यों को प्रभावी बनाने हेतु योजनाओं नियमों एवं नियमनों को बनाना, उसमें समय समय पर परिवर्तन एवं संशोधन करना।
18. आम जनता के लाभ हेतु किसी पारमार्थिक संस्थान को प्रारंभ करना, बन्द करना एवं पुनः प्रारंभ करना तथा उनके द्वारा दी जाने वाली किसी दान अथवा चंदा की राशि पर शर्तें लगाना।
19. न्यास के किसी भी उद्देश्य के लिये न्यास की सम्पूर्ण आय अथवा उसके किसी अंश को अथवा न्यास निधि के संचय (कॉर्पस) अथवा उसके किसी अंश को अलग करके रखना एवं/अथवा आंचटित करना।
20. न्यासियों द्वारा स्वविवेक से उचित मानी गयी शर्तों एवं निबन्धनों (विशेष रूप से इस न्यास के उद्देश्यों और स्वभाव से अनुरूपता को ध्यान में रखते हुये) के अधीन अपने न्यास को समान उद्देश्य वाली किसी अन्य न्यास/न्यासों से जोड़ना, समन्वित करना अथवा उसमें इसको एकीकृत करना।
21. विभिन्न पारमार्थिक संस्थानों, समितियों, संगठनों अथवा न्यासों, जो इस विलेख में दर्शाये गये समान उद्देश्यों के लिये पहले से स्थापित किये जा चुके हैं अथवा आगे कभी स्थापित किये जायेंगे, को न्यास की आय से अथवा न्यास निधि के संचय से दान रूप में सहायता प्रदान करना ताकि ऐसे संस्थान/समितियां संगठन अथवा न्यास पारमार्थिक उद्देश्यों को प्रारंभ कर सकें, जारी कर सकें अथवा प्राप्त कर सकें।

(Signature)




(Signature)
 राखी रायव



Page 13 of 18

(Signature)
 Principal

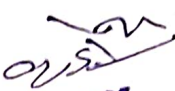
SHAGUN ACADEMY
 Milak Sardar Shahpur Chamaran
 P.O. Rahtaul (Sambhal)

(Signature)
 Manager

Shagun Academy

Milak Sardar Shahpur Chamaran
 P.O. Rahtaul (Sambhal)

22. सभी खातों का निपटारा करना एवं सुलह करना, हिसाब चुकता करना, त्याग देना अथवा किसी वाद या कार्यवाही या विवाद, दावे, मांग को पंचनिर्णय के लिये सौंपना जो कि इस सम्बन्ध में उचित माना गया हो, (उससे हो सकने वाले नुकसान के प्रति जिम्मेदार हुये बिना)
23. इस विलेख में निर्दिष्ट सभी अथवा किसी एक उद्देश्य के लिये न्यास निधि में समाहित किसी सम्पत्ति (जिसमें जमीन भवन इत्यादि शामिल है) को प्रतिभूति (जमानत) के रूप में रखकर बैंक/समिति/सरकार/संस्थान व अन्यो से ऋण लेना तथा न्यासियों के लिये यह विधिमान्य होगा कि वे ब्याज पर अथवा अन्यथा स्वविवेक से उचित शर्तों पर ऐसे ऋण प्राप्त कर सकें व ब्याज सहित उक्त ऋण को वापिस कर सकें।
24. सरकार, सार्वजनिक निकाय, नगर निगम/नगर पालिका एवं अन्य स्थानीय निकाय, निगम, कम्पनी, अथवा व्यक्तियों को न्यास के उद्देश्यों की प्राप्ति को ध्यान में रखते हुये धन, सहायता, उपहार, चंदा तथा अन्य सहयोग प्रदान करने के लिये आवेदन करना व ऋण प्राप्त करना।
25. शासकीय विभागों, सार्वजनिक एवं अन्य निकायों, निगमों, कम्पनियों अथवा व्यक्तियों के साथ न्यास के उद्देश्यों से सम्बन्ध की योजनाओं, विषयों अथवा कार्यों के बारे में विचार विमर्श करना तथा उनके द्वारा आरोपित उचित शर्तों की पुष्टि करना जिस पर उनके अनुदान अथवा अन्य भुगतान प्राप्त किये जा सकते हो।
26. समान उद्देश्यों वाले अन्य पारमार्थिक न्यास, समितियों, संघ, संगठन अथवा संस्थान का अधिग्रहण करना या उनके साथ एकीकरण करना।
27. न्यास अथवा समान उद्देश्यों वाले अन्य न्यास वाले या उसकी शाखाओं की किसी शाखा की स्थापना , प्रोत्साहन, प्रबंध अथवा अनुरक्षण करना अथवा उसकी स्थापना करना, प्रोत्साहन, प्रबंध अथवा अनुरक्षण के लिये सहायता प्रदान करना तथा इस न्यास को अन्य किसी न्यास के साथ सम्बद्ध करना या एकीकरण करना।
28. उचित शर्तों और निबन्धनों के अधीन इस न्यास के उद्देश्यों से पूर्ण /आंशिक समानता रखने वाले किसी विद्यमान संस्थान या संस्थानों का अधीनीकरण, अधिग्रहण, प्रबंध, नियन्त्रण करना अथवा उसे सहायता देना।
29. एक या एक से अधिक न्यासों, समितियों, संस्थानों, संघों, संगठनों (जिनके साथ एकीकरण के लिये न्यास को अधिकार प्राप्त है) को क्रय करना अथवा अन्यथा उनका अधिग्रहण करना एवं उनकी सम्पूर्ण या आंशिक सम्पत्ति, परिसम्पत्ति, देयतायें एवं अन्य समान अपने हाथ में ले लेना।
30. इस न्यास की सम्पूर्ण या आंशिक सम्पत्ति, परिसम्पत्ति, देयतायें एवं अन्य समान एक या एक से अधिक न्यासों समितियों, संस्थानों संघों संगठनों (जिनके साथ एकीकरण के लिये न्यास को अधिकार प्राप्त है) को अंतरित करना।


Manager
Shagun Academy
 Milak Sardar Shahpur Chamaran
 P.O. Rahtaul (Sambhal)


Principal
SHAGUN ACADEMY
 Milak Sardar Shahpur Chamaran
 P.O. Rahtaul (Sambhal)

14. न्यास के लिए धन का इंतजाम-

न्यास के प्रत्येक न्यासी को न्यासी बोर्ड द्वारा निर्धारित राशि वार्षिक रूप से न्यास को देनी होगी तथा भविष्य में यदि अन्य न्यासी नियुक्त किये जाते हैं उनके लिये भी न्यासी बोर्ड एक निश्चित धन राशि वार्षिक रूप से देने हेतु निर्धारित करेगा। न्यास के लिए धन का इंतजाम दान, चंदा व ट्रस्ट की सम्पत्ति के हस्तगत से होने वाली आय से किया जायेगा। न्यासियों को धन का इंतजाम करने के लिए न्यास की जायदाद को बैंक आदि में रहन/बन्धक रखकर कर्ज लेने का अधिकार होगा लेकिन प्रत्येक स्थिति में कर्ज की रकम न्यास के उद्देश्यों के लिए खर्च करना जरूरी होगा।

15. न्यास के लिये आयकर अधिनियम 1961 व 80 जी विशेष प्रवधान -

यह विशेष रूप से घोषित किया जाता है कि निम्न वर्णित नियम व शर्तें इस न्यास विलेख का मुख्य भाग है-

यह कि न्यास को होने वाले लाभ और न्यास के फण्ड का उपयोग केवल उन्हीं सीमाओं एवं प्रतिबन्धों के उपयोग के अन्तर्गत किया जायेगा जो आयकर अधिनियम 1961 या वैल्यू ट्रेक्स अधिनियम 1957 या कोई अन्य अधिनियम जिस पर आयकर अधिनियम के प्रविधान लागू होते हो किया जायेगा।

यदि उक्त आयकर अधिनियम 1961 या वैल्यू ट्रेक्स अधिनियम 1957 में कोई संशोधन होता है या भविष्य में कोई अन्य अधिनियम आता है तो उसके नियम व शर्तें न्यास पर लागू होंगे।

यह कि इस न्यास पर आयकर अधिनियम की धारा 80 जी या अन्य कोई समान नियम जो आयकर अधिनियम 1961 के अन्तर्गत आते हैं लागू होंगे।

16. फाउण्डर न्यासियों के अधिकार एवं कर्तव्य-

1. फाउण्डर न्यासी न्यास के इंतजाम व उसके चलाने में अध्यक्ष की मदद करेंगे।
2. कोई भी फाउण्डर न्यासी न्यास के उद्देश्यों व नियमों के विरुद्ध कोई काम नहीं करेगा।
3. फाउण्डर न्यासियों को न्यास की मीटिंग में शिरकत करना जरूरी होगा।

17. न्यासियों की आयोध्यता व उन्हें निकाला जाना

1. यदि उसका निधन हो जाता है।
2. यदि उसे न्यायालय द्वारा दीवालिया घोषित कर दिया जाता है अथवा नैतिक पतन के आरोप में दोषी पाया जाता है।
3. यदि उसे न्यास के हितों के विरुद्ध कार्य करते हुये पाया जाता है।
4. यदि वह लगातार होने वाली न्यासियों की तीन बैठकों में अथवा एक कलैण्डर वर्ष के लिये बिना छुट्टी का आवेदन दिये अनुपस्थित रहता है, अथवा

Manager

Shagun Academy

Milak Sardar Shahpur Chamaran

P.O. Rahtaul (Sambhal)

Principal
SHAGUN ACADEMY
Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

आवेदन सं०: 201900721014605

न्यास पत्र

वही सं०: 4

रजिस्ट्रेशन सं०: 53

वर्ष: 2019

प्रतिफल- 10000 स्टाम्प शुल्क- 800 बाजारी मूल्य - 0 पंजीकरण शुल्क - 200 प्रतिलिपिकरण शुल्क - 100 योग: 300

श्री रविन्द्र पात सिंह,
पुत्र श्री हरपात सिंह
व्यवसाय: अन्य
निवासी: निवासी मितक शाहपुर चमारान तहसील व जिला संभल उत्तर प्रदेश
244301

108



ने यह लेखपत्र इस कार्यालय में दिनांक 27/07/2019 एवं 03:48:51 PM बजे
निबंधन हेतु पेश किया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

प्रदीप कुमार विश्वाजी प्रभारी
उप निबंधक सम्भल
सम्भल
27/07/2019

, रणधीर सिंह, राकेश बाबू
निबंधक लिपिक



Manager
Shagun Academy
Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

Principal
SHAGUN ACADEMY
Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

5. यदि उसे शेष न्यासियों के 3/4 अथवा निकटतम बहुमत द्वारा त्याग पत्र देने के लिये निवेदन किया जाता है।
6. यदि कोई फाउण्डर न्यासी / न्यास को छोड़ना चाहता है तो उसके हस्तीके को मंजूर करने का हक न्यास के अध्यक्ष को होगा।
7. न्यास के सदस्यों में से कोई सदस्य न्यास के उद्देश्यों व नियमों के खिलाफ कोई काम करता है तो उसको कारण बताओं नोटिस जारी किया जायेगा अगर बार-बार वह ऐसा करता है तो उसको न्यास से निष्कासित कर दिया जायेगा तथा किसी अन्य व्यक्ति को उसके स्थान पर नियुक्त कर दिया जायेगा।

18. न्यास की बैठक -

न्यास की बैठक हर तिमाही न्यास के कार्यालय पर या अन्य स्थान पर जैसे न्यासीज निश्चित करे की जायेगी जिसकी तारीख की सूचना सभी न्यासियों को एक सप्ताह पहले दे दी जायेगी। न्यास के द्वारा विशेष बैठक का आयोजन कभी भी एक दिन पहले सूचना भेजकर भी की जा सकती है।

19. न्यास का बैंक खाता-

न्यास का खाता किसी राष्ट्रकृत बैंक, क्षेत्रीय बैंक, ग्रामीण बैंक, प्राइवेट बैंक या किसी भी मान्यता प्राप्त बैंक/बैंकों में न्यास के नाम से खुलवाया जायेगा खाते का संचालन अध्यक्ष व सचिव के द्वारा अथवा इनके द्वारा अधिकृत व्यक्तियों के द्वारा किया जायेगा।

20. न्यास की सम्पत्ति की बिक्री-

कोई सम्पत्ति जो न्यास द्वारा खरीदी जाये व सम्पत्ति यदि भविष्य में न्यास के इस्तेमाल की न रहे या न्यास के इस्तेमाल के लिए छोटी पड़ जाये या न्यास के द्वारा किये जा रहे काम के लिए अन्य किसी जगह न्यास के कार्यालय या इंस्टीट्यूशन को बदला जाना जरूरी है तो न्यास के अध्यक्ष को फाउण्डर न्यासियों की सहमति से न्यास की जायदाद को बेचने का हक होगा लेकिन जायदाद बेचकर हासिल पैसा हर सूरते हाल में न्यास के लिए जायदाद खरीदने या न्यास के किसी अन्य मकसद में खर्च करना होगा। अपने इस्तेमाल में लाने का अध्यक्ष या न्यासियों को कोई अधिकार न होगा।

21. खाता व अंकेक्षण -

न्यास का हिसाब किताब के लिये उचित खाते बही रखे जायेंगे जिनका वार्षिक अंकेक्षण (ऑडिट) न्यासी बोर्ड द्वारा अधिकृत चार्टर्ड एकाउण्टेंट के द्वारा किया जायेगा।

22. रिक्तियां एवं रिक्तियों की पूर्ति -

फाउण्डर न्यासियों के रिक्त स्थान की पूर्ति उनके परिवारजनों अथवा विधिक उत्तराधिकारियों में से होगी तथा अन्य न्यासियों की नियुक्ति न्यासी बोर्ड के द्वारा की जायेगी।

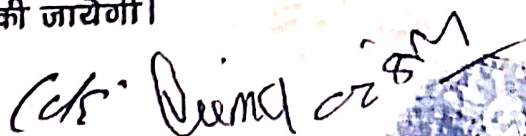


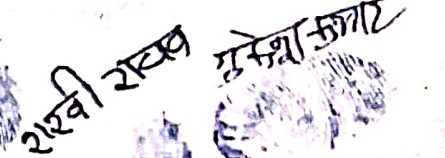
Manager

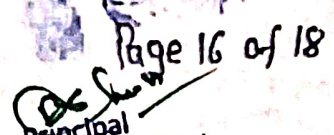
Shagun Academy

Vilak Sardar Shahpur Chamaran

P.O. Rahtaul (Sambhal)







Principal
SHAGUN ACADEMY
Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

Page 16 of 18

आवेदन सं०: 201900721014605

बही सं०: 4

रजिस्ट्रेशन सं०: 53

वर्ष: 2019

निष्पादन लेखपत्र वाव सुनने व समझने मजमुन व प्राप्त धनराशि रु प्रलेखानुसार उक्त
न्यासी: 1

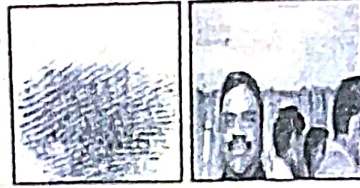
श्री रविन्द्र पाल सिंह, पुत्र श्री हरपाल सिंह

निवासी: निवासी मिलक शाहपुर चमारान तहसील व
जिला संभल उत्तर प्रदेश 244301

व्यवसाय: अन्य

न्यासी: 2

C/c



श्रीमती बीना देवी, पत्नी श्री रविन्द्र पात

निवासी: निवासनी मिलक शाहपुर चमारान तहसील व
जिला संभल उत्तर प्रदेश 244301

व्यवसाय: गृहिणी

न्यासी: 3

Deema



श्री ब्रजेश कुमार, पुत्र श्री हरपाल सिंह

निवासी: निवासी मिलक शाहपुर चमारान तहसील व
जिला संभल उत्तर प्रदेश 244301

व्यवसाय: अन्य

न्यासी: 4

Deema



श्रीमती राखी राघव, पत्नी श्री ब्रजेश कुमार

निवासी: निवासनी मिलक शाहपुर चमारान तहसील व
जिला संभल उत्तर प्रदेश 244301

व्यवसाय: गृहिणी

न्यासी: 5

राखी राघव



श्री मुकेश कुमार, पुत्र श्री धनू सिंह

निवासी: निवासी मिलक शाहपुर चमारान तहसील व
जिला संभल उत्तर प्रदेश 244301

व्यवसाय: अन्य

मुकेश कुमार



Manager

Shagun Academy

Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

Principal

SHAGUN ACADEMY

Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

23. न्यास विलेख में संशोधन - न्यास विलेख में संशोधन का अधिकार न्यासी बोर्ड को ही होगा जो 3/4 बहुमत के आधार पर न्यास विलेख में संशोधन कर सकते हैं।
24. न्यास का विघटन - भारतीय ट्रस्ट अधिनियम 1882 के प्रावधानों के अर्न्तगत किया जायेगा।
25. इस विलेख में दर्शायी एवं समहित शक्तियों, प्रावधानों, कटारनामों तथा घोषणाओं (ऐसे न्यास निधि के हस्तारण के परिणाम स्वरूप एवं आवश्यक होने पर किये गये संशोधनों के अधीन) के साथ न्यास को किसी अन्य समिति, निगम, संस्थान, न्यास, संघ अथवा संगठन को अंतरित करना एवं सौंपना, जैसा कि न्यासियों को अपने स्वविवेक से उचित लगे इस विलेख के न्यासी, न्यास निधि के अंतरण होने से न्यास से भार मुक्त / पदमुक्त हो जायेंगे।
26. न्यासी केवल उसी धन, स्टॉक, शेयर एवं कोषों के लिये उत्तरदायी होंगे जो वास्तविक रूप से उनके हाथ में आयेंगे। एक न्यासी किसी अन्य न्यासी, बैंक अथवा किसी अन्य व्यक्ति, जिसके पास न्यास में सम्पत्तियां अथवा प्रतिभूतियां जमा की हो या रखी हो, की गलती, कार्य या हीनता या कमी या त्रुटि के लिये उत्तरदायी या जवाबदार नहीं ठहराये जायेंगे न्यासियों का पारिश्रामिक प्राप्त करने का अधिकार नहीं होगा।
27. न्यासियों की संख्या दो से कम नहीं होगी यदि कभी न्यासियों की संख्या 2 से कम हो जाती है तो शेष न्यासी (सिवाय किसी रिक्त को भरने के) तब तक कार्य नहीं करेंगे जब तक की संख्या न्यूनतम से कम है।
28. वर्तमान प्रबंध न्यासियों को इस बात की स्वतंत्रता होगी कि वह उक्त संख्या की सीमा में रहते हुये एक अवधि के लिये अतिरिक्त न्यासियों की सेवानिवृत्ति अथवा पुननियुक्ति की शर्तों का ध्यान में रखते हुये नियुक्त कर सकें जैसा कि वह इस सम्बन्ध में उचित समझे।
29. न्यासी समय समय पर न्यासियों की बैठकों के नियमन व संचालन के लिये नियम बना सकते हैं ऐसे नियमन न होने पर -
1. न्यासियों की एक बैठक में तीन न्यासियों की उपस्थिति गणपूर्ति (कोरम) मानी जायेगी
 2. न्यासियों द्वारा सभी विषय आपसी विचार विमर्श से निपटारें जायेंगे।
 3. बिना बैठक किये सर्कुलेशन से पारित संकल्प को न्यासियों की वास्तविक बैठक की तरह ही वैध और प्रभावी माना जायेगा। यदि (3/4) न्यासी लिखित रूप में दें हैं।
30. न्यासी को संशय की स्थिति में यह निर्धारण करने का अधिकार होगा कि परमार्थ के लिए किसी धन या संपत्ति को पूंजी या आय माना जाये कि नहीं और ऐसी आय में से कोई व्यय चुकाया ही जाये या नहीं, और ऐसा निर्धारण बाध्यकारी एवं अंतिम निर्णय होगा न्यासियों को इस विलेख में प्राधिकृत किये

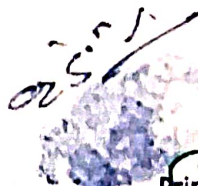

Manager

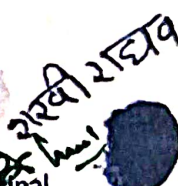
Shagun Academy

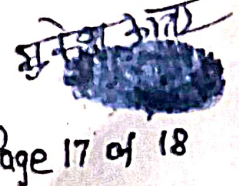
Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)


Principal


Principal


Principal


Principal


Principal

SHAGUN ACADEMY

Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

Page 17 of 18

ने निष्पादन स्वीकार किया। जिनकी पहचान
पहचानकर्ता : 1

श्री राजेंद्र सिंह, पुत्र श्री चेताराम सिंह

निवासी: निवासी शाहपुर चमारान तहसील व जिला संभल

व्यवसाय: अन्य

पहचानकर्ता : 2

राजेंद्र सिंह



श्री उमेश पात सिंह, पुत्र श्री सोमपाल

निवासी: निवासी शाहपुर चमारान तहसील व जिला संभल

व्यवसाय: अन्य

उमेश पात सिंह



रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

ने की। प्रत्यक्षतः भद्र साक्षियों के निशान अंगूठे
नियमानुसार लिए गए हैं।

टिप्पणी: रविन्द्रपाल सिंह आ० सं० ६९६१०९५२८१५३

प्रदीप कुमार विश्वाजी प्रभारी
उप निबंधक : सम्भल
सम्भल

रणधीर सिंह, राकेश बाबू
निबंधक लिपिक

Manager

Shagun Academy

Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)



Principal

SHAGUN ACADEMY

Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

आवेदन सं०: 201900721014605

वही संख्या 4. जिल्द संख्या 199 के पृष्ठ 133 से 168 तक क्रमांक
53 पर दिनांक 27/07/2019 को रजिस्ट्रीकृत किया गया।

रजिस्टर में अभिलेखित हस्ताक्षर

प्रदीप कुमार विश्वास प्रभारी
उप निबंधक : सम्भल
सम्भल
27/07/2019



02/8/19
Manager
Shagun Academy
Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

Principal
SHAGUN ACADEMY
Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

गये उद्देश्यों के अलावा अन्य कही भी न्यास-निधि या उसके संचय को खर्च करने का अधिकार नहीं होगा।
31. न्यास एवं न्यास निधि हमेशा के लिये अखण्डनीय रहेंगे।

यहाँ यह स्पष्ट घोषणा की जाती है कि न्यास की सम्पत्ति अथवा उसकी आय या उसमें हुयी बढोत्तरी के किसी भी अंश को ऐसे किसी भी उद्देश्य के लिये इस्तेमाल नहीं किया जायेगा। जो कानून के अनुसार पारमार्थिक या धर्मादय उद्देश्य नहीं है। न्यास के कोष का उपयोग केवल न्यास के उद्देश्यों की पूर्ति के लिये किया जायेगा अन्यथा नहीं।
नोट - न्यास के पास कोई चल व अचल सम्पत्ति नहीं है केवल रु 10,000/- ट्रस्ट फण्ड के रूप में हैं।

दिनांक -

गवाह



न्यास लेखक

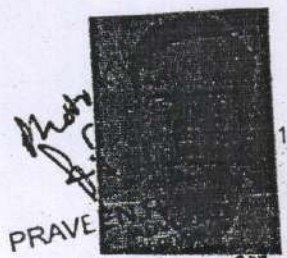
न्यासीगण

1. श्री रविन्दर पाल सिंह
2. श्रीमति राखी राघव
3. श्री लजेश कुमार
4. श्रीमति वीना देवी
5. श्री मुकेश कुमार

2 तै 6 12 2019
1- राजेंद्र सिंह पुत्र चैतराम सिंह
नि 0 शाहपुर चामारान सम्भल

2- उमेशपाल सिंह पुत्र सैमपाल
नि 0 शाहपुर चामारान सम्भल

उमेशपाल सिंह



PRAVEEN RAWAT

Reg. No. B-1, DCF Market
Court Compound Moradabad

नोट- इस न्यास विलेख को आज दिनांक 27.07.2019 को प्रवीन रावत एडवोकेट, मुरादाबाद के द्वारा ड्राफ्ट किया गया तथा फोटो सत्यापित किये गये।

PRAVEEN RAWAT
ADVOCATE
Reg. No. 3690/99
Ch. No. B-1, DCF Market
Court Compound Moradabad

Manager

Shagun Academy
Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)

Principal

SHAGUN ACADEMY
Milak Sardar Shahpur Chamaran
P.O. Rahtaul (Sambhal)